Tender Heart High School, Sec. 33-B, Chandigarh

कक्षा - आठवीं
विषय - हिंदी व्याकरण

शिक्षिका - सुमन शर्मा
(लोकोक्तियाँ) (पृष्ठ-167-168)

पुस्तक - वीवा हिंदी व्याकरण - 8

प्यारे बच्चो, सुप्रभात!

आज हम कक्षा आठवीं की हिंदी व्याकरण की पुस्तक वीवा-8 के पृष्ठ-167-68 पर लिखी लोकोक्तियों के बारे में पढ़ेंगे। मुहावरे हम पहले पढ़ चुके हैं। सब बच्चे पहले अपनी पुस्तक का पृष्ठ 167 खोलेंगे साथ ही अभ्यास-पुस्तिका खोलकर रख लें। पहले हम लोकोक्ति किसे कहते हैं? इसकी परिभाषा पढ़ेंगे उसके बाद पृष्ठ 167-68 पर लिखी लोकोक्तियों के बारे में पढ़ेंगे। मैं पढ़ाते समय बीच-बीच में से कुछ प्रश्न पूछती जाऊँगी, अतः विषय को ध्यानपूर्वक सुनेंगे व समझेंगे।

लोकोक्ति शब्द लोक+उक्ति इन दो शब्दों के मेल से बना है, जिसका अर्थ है - लोक में प्रचलित या प्रसिद्ध कथन (बात)। इसे कहावत भी कहते हैं। यह एक ऐसा कथन होता है, जिसे किसी बात को प्रमाणित करने के लिए प्रमाण रूप में प्रस्तुत किया जाता है। सैकड़ों वर्षों के अनुभव को एक वाक्य में कह देना ही लोकोक्ति है। लोकोक्तियाँ सत्य घटना अथवा दीर्घकाल के अनुभव पर आधारित होती हैं। लोकोक्ति के प्रयोग से भाषा में जान आ जाती है। वह प्रभावपूर्ण तथा व्यंजनापूर्ण बन जाती है। इनका कभी सामान्य, तो कभी लाक्षणिक अर्थ लिया जाता है। लोकोक्ति अपने-आपमें एक पूर्ण इकाई होती है। वास्तव में यह तीक्ष्ण उक्ति होती है, जो श्रोता के

Scanned with CamScanner

DATE 22.7.24
PAGE No. 2

कक्षा- आठवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी व्याकरण (लोकोक्तियाँ)

हृदय पर सीधा प्रभाव डालती है। इससे भाषा का सौंदर्य बढ़ता है। लोकोक्ति के पीछे कोई न कोई घटना होती है। उससे निकली बात जब लोगों की जिह्वा (जीभ) पर आ जाती है, तो लोकोक्ति हो जाती है।

मुहावरे और लोकोक्ति में अंतर

या

मुहावरा वाक्यांश या पदबंध है, जिसका अर्थ वाक्य में प्रयोग करने से ही स्पष्ट होता है। परन्तु लोकोक्ति अपने-आप में पूर्ण वाक्य है। वाक्य में प्रयोग करने पर मुहावरा उस वाक्य का अंश बन जाता है। परंतु लोकोक्ति वाक्य से अलग रहती है, जैसे :-

* पुलिस को देखते ही चोर नौ दो ग्यारह हो गए। इस वाक्य में नौ-दो ग्यारह होना मुहावरा वाक्य का अंश बन गया है। यदि हम केवल नौ-दो ग्यारह होना कहें तो इसका अर्थ स्पष्ट नहीं होता।
* घर में एक पैसा भी नहीं है। कृपया कुछ रुपए उधार दे दीजिए, क्योंकि डूबते को तिनके का सहारा। इस वाक्य में प्रयुक्त लोकोक्ति वाक्य का अंश नहीं बनी। स्वतंत्र रूप से कहने पर भी इसका अर्थ समझ में आ जाता है।
* मुहावरा वाक्य के आदि, मध्य या अंत में से कहीं भी आ सकता है, जबकि लोकोक्ति वाक्य के अंत में ही आती है।
* मुहावरे के प्रयोग के लिए वाक्य बनाना पड़ता है, जबकि लोकोक्ति स्वयं संपूर्ण वाक्य होती है।
* मुहावरे में वाक्य के अनुसार परिवर्तन करना आवश्यक है, जबकि लोकोक्ति ज्यों-की-त्यों ही वाक्य में प्रयुक्त होती है।
* मुहावरे के अंत में प्रायः 'ना' होता है, जबकि लोकोक्ति के अंत में अपवाद स्वरूप ही 'ना' आता है।

(पृष्ठ-2)

Scanned with CamScanner

कक्षा- आठवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिन्दी व्याकरण (लोकोक्तियाँ) (पृष्ठ-167-168)

बच्चो! अब हम पृष्ठ-167-168 पर लिखी लोकोक्ति को पढ़ेंगे।

1. अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता (अर्थ- अकेला व्यक्ति कुछ नहीं कर सकता)
वाक्य- मोहन अकेला कमाने वाला है और घर में सात खाने वाले हैं, फिर खर्चा कैसे पूरा हो। किसी ने सच कहा है- अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता है।

2. अधजल गगरी छलकत जाए (अर्थ:- ओछा व्यक्ति अधिक दिखावा करता है।)
वाक्य- प्रांजल को किसी भी विषय का पूरा ज्ञान नहीं है पर स्वयं को वह बहुत ज्ञानी समझता है। इसे कहते हैं- अधजल गगरी छलकत जाए।

3. आम के आम गुठलियों के दाम (अर्थ:- दोहरा लाभ)
वाक्य- चैतन्य को अपनी मेहनत से अपने विद्यालय में सर्वश्रेष्ठ छात्र तो चुना ही गया साथ ही छात्र वृत्ति भी मिल गई। इसे कहते हैं आम के आम गुठलियों के दाम।

4. अब पछताए होत क्या जब चिड़ियाँ चुग गई खेत (अर्थ- समय बीत जाने पर पछताने का कोई लाभ नहीं)
वाक्य- पहले तो तुम मौज-मस्ती करते रहे, अब अनुत्तीर्ण होने पर पछता रहे हो! अब रोने और पछताने का क्या लाभ? किसी ने सच ही तो कहा है- अब पछताए होत क्या जब चिड़ियाँ चुग गई खेत।

5. उलटा चोर कोतवाल को डाँटे (अर्थ- अपना दोष स्वीकार न करके, पकड़ने वाले को दोषी ठहराना)

Scanned with CamScanner

22.7.24

Page 4

6. आगे कुआँ पीछे खाई (अर्थ:- दोनों ओर से मुसीबत या हानि)

वाक्य:- दोस्त की नकल करने की बात यदि अध्यापक को बताता हूँ तो दोस्त नाराज़ होगा। यदि नहीं बताऊँगा तो गलत बात को बढ़ावा दूँगा। मेरे लिए तो आगे कुआँ पीछे खाई है।

7. ताली एक हाथ से नहीं बजती (अर्थ:- झगड़े में दोनों पक्ष कारण होते हैं)

वाक्य:- मैं कैसे मान लूँ कि तुमने राम को अपशब्द नहीं कहे और उसने तुम्हें पीटदिया। एक हाथ से ताली कभी नहीं बजती।

8. जो गरजते हैं वो बरसते नहीं (अर्थ:- बोलने वाले कोई ठोस काम नहीं करते)

वाक्य:- राम की लंबी-चौड़ी बातों पर मुझे विश्वास नहीं होता, क्योंकि मैं इस बात को भली-भाँति जानता हूँ कि जो गरजते हैं, वे बरसते नहीं।

9. एक पंथ दो काज (अर्थ:- एक काम से दोहरा लाभ)

वाक्य:- मुझे दफ्तर के काम से दिल्ली जाना है, वहाँ अपने मामा-मामी जी को भी मिल आऊँगा। एकपंथ दो काजहोजाएँगे।

10. नाच न जाने आँगन टेढ़ा (अर्थ:- अनाड़ी का दूसरों को दोष देना)

वाक्य:- सवाल का हल नहीं निकाल पा रहे हो और कहते हो कि सवाल गलत है। इसी को कहते हैं- नाच न जाने आँगन टेढ़ा।

प्रश्न-1. लोकोक्ति का शाब्दिक अर्थ क्या है?
प्रश्न-2. लोकोक्ति और मुहावरे के कोई दो अंतर बताओ।
प्रश्न-3. अंधा क्या चाहे दो आँखें- लोकोक्ति का अर्थ लिखकर वाक्य बनाओ।

(पृष्ठ-4)

Scanned with CamScanner

DATE 22.7.24
PAGE No. 5

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (लोकोक्तियाँ)

बच्चो! अब आपका अंतराल का समय समाप्त हुआ। आशा है प्रश्नों के उत्तर आपने लिख लिए होंगे। प्रश्नों के उत्तर इस प्रकार हैं -

उत्तर-1. लोकोक्ति शब्द को संधि-विच्छेद करें तो यह दो शब्दों के मेल से बना है। लोक + उक्ति, जिसका अर्थ है लोक में प्रचलित या प्रसिद्ध उक्ति, कथन या बात। इसे कहावत भी कहते हैं। सैकड़ों वर्षों के अनुभव को एक वाक्य में कह देना - लोकोक्ति कहलाती है।

उत्तर-2. मुहावरे के प्रयोग के लिए वाक्य बनाना पड़ता है,
(क) जबकि लोकोक्ति संपूर्ण वाक्य होती है।
(ख) मुहावरे के अंत में 'ना' होता है जबकि लोकोक्ति में ऐसा नहीं है। इसमें अपवाद स्वरूप ही 'ना' आता है।

उत्तर-3
(ग) 'अंधा क्या चाहे दो आँखें' का अर्थ है - इच्छित बात हो जाना या मनचाही वस्तु मिल जाना।
वाक्य - मोहन को अपने ही शहर में नौकरी मिल गई, इससे उसकी माँ बहुत प्रसन्न हुई और कहने लगीं - अंधा क्या चाहे दो आँखें।

बच्चो! अब मैं आपको गृहकार्य देने जा रही हूँ, जो इस प्रकार है -

गृहकार्य :-
सब बच्चे अपने अभिभावकों के समक्ष बैठकर कार्य करेंगे। कार्य सुंदर लेख में होना चाहिए। साथ ही इन लोकोक्तियों को याद करेंगे।

धन्यवाद।

(अन्तिम पृष्ठ-5)

Scanned with CamScanner